निर्धारण मापनी (Rating Scale) → निर्धारण मापनी किसी व्यक्ति के गुणों का गुणात्मक विवरण प्रस्तुत करती है। इस मापनी की सहायता से व्यक्ति में उपस्थित गुणों की सीमा या आवृत्ति को मापने का प्रयास किया जाता है। निर्धारण मापनी में उत्तर को अभिव्यक्त करने के लिए कुछ संकेत (अक्षर, शब्द या अंक) होते है। ये संकेत (अक्षर, शब्द या अंक) कम से अधिक या अधिक से कम के सातत्य में क्रमबद्ध रहते हैं। उत्तरकर्ता को मापे जाने वाले गुण के आधार पर इन संकेतों (अक्षर, शब्दों या अंकों) में से किसी एक ऐसे संकेत का चयन करना होता है जो हाल में उपस्थित उस गुण की सीमा को अभिव्यक्त कर सके। निर्धारण मापनी अनेक प्रकार की हो सकती है। ये प्रकार क्रमशः चेकलिस्ट, आंकिक मापनी, ग्राफिक मापनी, क्रमिक मापनी, स्थानिक मापनी, बाह्य चयन मापनी है।

जब किसी व्यक्ति में गुण की उपस्थिति या अनुपस्थिति का ज्ञान करना होता है तब चेक-लिस्ट का प्रयोग किया जाता है। चेकलिस्ट में कुछ कथन दिये जाते हैं जो गुण की उपस्थिति, अनुपस्थिति को इंगित करता है। निर्णायक को कथनों के सही या गलत होने की स्थिति को सही या गलत का चिन्ह लगाकर बताना होता है। निर्णायक के उत्तरों के आधार पर व्यक्ति में मौजूद गुण की मात्रा का पता लगाया जाता है।

आंकिक मापनी में दिये गये कथनों के हाँ/नहीं के रूप में उत्तर नहीं होते हैं। बल्कि प्रत्येक कथन के लिए कुछ बिन्दुओं (जैसे- 3,5 या 7) पर कथन के प्रति प्रयोज्यकर्ता की सहमति या असहमति

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Date ______
Page ______

की सीमा ज्ञात की जाती है। इस प्रकार से निर्णयकर्त्ता से प्रत्येक कथन के प्रति उसकी सहमति / असहमति की सीमा को जान लिया जाता है तथा इन सबका योग करके मापे जा रहे गुण की मात्रा को ज्ञात कर लिया जाता है।

ग्राफीक मापनी वस्तुतः आंकिक मापनी के समान होती है। इसमें सहमति / असहमति की सीमाओं को कुछ बिन्दुओं से प्रकट न करके एक क्षैतिज रेखा, जिसे सातत्य कहते हैं तथा जो सहमति / असहमति के दो छोरों को बताती है, पर निशान लगाकर अभिव्यक्त किया जाता है। इन क्षैतिज रेखाओं पर निर्णयकर्त्ता के द्वारा लगाये निशानों की स्थिति के आधार पर गुण की मात्रा का ज्ञान हो जाता है।

क्रमिक मापनी में निर्णयकर्त्ता से किसी गुण की मात्रा के विषय में जानकारी न लेकर अनेक गुणों व उपगुणों को क्रमबद्ध कराया जाता है। व्यक्ति में उपस्थित गुणों की मात्रा के आधार पर इन गुणों को क्रमबद्ध किया जाता है। कभी-2 इस प्रकार की मापनी की सहायता से विभिन्न वस्तुओं या गुणों के सापेक्षिक महत्व को भी जाना जाता है।

स्थानिक मापनी की सहायता से विभिन्न वस्तुओं, व्यक्तियों या कथनों को किसी समूह विशेष के सन्दर्भ में स्थानसूचक मान जैसे दशांक या शतांक आदि प्रदान किये जाते हैं। इस प्रकार की मापनी मापे जा रहे गुण के सन्दर्भ में व्यक्ति की सापेक्षिक स्थिति को इंगित करती है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

संचयी अभिलेख (Cumulative Records) →

विद्यालयों में प्रायः छात्र/छात्राओं से सम्बंधित विभिन्न सूचनाओं को क्रमबद्ध रूप में एकत्रित किया जाता है जिन्हें संचयी अभिलेख के नाम से पुकारा जाता है। इनमें छात्रों की उपस्थिति, शैक्षिक प्रगति, योग्यता, प्रयोगात्मक कार्य, पाठ्य सहगामी क्रियाओं में सहभागिता, उनकी रुचियाँ, व्यक्तित्व आदि सूचनाओं का विस्तृत आलेख प्रस्तुत किया जाता है। किसी छात्र की प्रगति को जानने तथा उसका मूल्यांकन करने में संचयी अभिलेख अत्यधिक उपयोगी तथा महत्वपूर्ण सिद्ध होता है। संचयी अभिलेख वास्तव में किसी छात्र का उस संस्था में शैक्षिक इतिहास होता है जो उसकी शैक्षिक उपलब्धि, कक्षा उपस्थिति, बुद्धि, स्वास्थ्य, चरित्र, पसन्द - नापसन्द, समायोजन, शौक, व्यक्तित्व आदि की सूचना रखता है।

संचयी अभिलेखन प्रपत्र -

छात्र का नाम-
पिता का नाम-
स्थायी पता-
छात्र रजिस्टर संख्या-
जन्म तिथि-
विद्यालय में प्रवेश की तिथि-
कक्षा जिसमें प्रवेश लिया-
विद्यालय छोड़ने की तिथि-
विद्यालय छोड़ने का कारण-

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

सूचना	कक्षा व सत्र	कक्षा व सत्र
उपस्थिति -		
कुल कार्य दिवस		
कुल उपस्थिति		
प्रतिशत उपस्थिति		
शारीरिक स्वास्थ्य -		
ऊँचाई		
भार		
शारीरिक दोष		
शैक्षिक सम्प्राप्ति -		
गणित		
हिन्दी		
विज्ञान		
व्यक्तित्व -		
रुचि		
स्वभाव		
बुद्धि		
अध्यापक के हस्ताक्षर		
प्रधानाचार्य के ह०		

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner